"गणतन्त्र दिवस पर निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड का सन्देश"

67वें गणतन्त्र दिवस के शुभ अवसर पर मैं प्रदेश के समस्त छात्र–छात्राओं, अध्यापकों, अभिभावकों एवं समस्त अभिकर्मियों को हार्दिक शुभकामनायें देती हूँ एवं उन अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को स्मरण करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

भारत के संविधान में शिक्षा को बच्चे का अधिकार बनाया गया है। राज्य सरकार द्वारा इस हेतु शिक्षा का अधिकार नियमावली प्रख्यापित की गयी है। शिक्षा अभिकर्मी होने के नाते हमारा दायित्व है कि विद्यालयों में ऐसा आनन्दमय वातावरण ऐसा हो कि बच्चे स्वयं विद्यालय आने के लिए प्रेरित हों और सभी बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें।

शिक्षक हमारे विद्यालय संचालन की धुरी हैं। अतः अध्यापक स्वअनुशासित रहकर विद्यालयों में नियमित रूप से उपस्थित होकर विद्यार्थियों के साथ रूचिपूर्ण ढंग से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को संचालित करें। शिक्षण हमारा मुख्य कार्य है और यही हमारी गतिविधियों का केन्द्र रहना चाहिए, अन्य सभी योजनायें एवं कार्यक्रम इसको समर्थन देने के लिए हैं।

प्रारम्भिक विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रतिमान के रूप में प्रत्येक विकासखण्ड में दो प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में परिवर्तित किये जाने का निर्णय किया गया है। ये विद्यालय भौतिक एवं मानवीय संसाधनों से परिपूर्ण होंगे और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में विकासखण्ड के अन्य विद्यालयों के लिए मानक एवं मार्गदर्शक विद्यालय के रूप में कार्य करेंगे।

विद्यार्थियों की व्यक्तिगत स्वच्छता एवं विद्यालय परिसर की स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित किये जाने की आवश्यकता है। यदि हमारा परिवेश स्वच्छ एवं सुन्दर होगा तो वातावरण आनन्दपूर्ण बनाने में सहयोगी होगा। विद्यार्थियों को निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाने के साथ–साथ उनकी क्षमताओं को भी अवश्य ध्यान में रखा जाय। इसके लिए विद्यार्थियों की अभिरूचियों को चिन्हित कर उन्हें खेल–कूद, स्काउट–गाइड, गीत–संगीत, वाद–विवाद प्रतियोगिता, एवं आलेखन आदि अभिरूचियों को आगे बढाने हेतु प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता है।

प्रारम्भिक स्तर पर विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति के मूल्यांकन के लिए सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन को अनिवार्य किया गया है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की गति एवं स्तर का लेखा रखा जायेगा, जिससे प्रत्येक बच्चा अपेक्षित स्तर की दक्षताओं को प्राप्त कर सकें।

मैं विभागीय अधिकारियों से अपील करती हूँ कि वे शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों एवं विद्यालयों की समस्याओं का तत्परता से समाधान करें और अपनेअधीनस्थों को कुशल नेतृत्व प्रदान करेंगे।

आइये, गणतंत्र दिवस के इस पर्व पर हम देश के शहीदों, राष्ट्र के सेवा में अपना अभीष्ट योगदान करने वाले सपूतों को नमन करते हुए अपने कार्यों को पूर्ण ईमानदारी एवं कर्तव्य निष्ठा के साथ सम्पादित करने का संकल्प लें। पुनः आपको 67वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

जय हिन्द, जय उत्तराखण्ड।

25/1/16

(सीमा जौनसारी)
निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड